भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2021-2022)

कक्षा 9	विषय - हिंदी (पाठ्यक्रम-ब)	Date - 20-08-2021
प्रश्न बैंक (MCQ)	कविता: रैदास के पद (स्पर्श भाग 1)	Note: Please file in portfolio.

नाम:_____अनुभाग:_____अनुक्रमांक:_____दिनांक:_____

1. संत कवि रैदास कहते हैं कि चंदन को पानी में घिसकर लगाने से
(क) शरीर के अंग-अंग से दुर्गंध आने लगती है। (ख) संपूर्ण देह की कांति चली जाती है।
(ग) चंदन की खुशबू सारे तन में समा जाती है। (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

2. मोर बादलों को देखकर क्या करने लगता है?
(क) दुःखी होकर पेड़ के पीछे छिप जाता है। (ख) नफ़रत से अपना मुँह फेर लेता है।
(ग) अपने पंख उखाड़कर फेंक देता है। (घ) ख़ुशी से नाचने लगता है।

3. चकोर किसे देखता रहता है?
(क) चाँद को (ख) सूरज को (ग) तारों को (घ) इन सभी को

4. कवि ने प्रभु को किस प्रकार का दीपक कहा है?
(क) जिसकी ज्योति दिन भर जलती रहती है। (ख) जिसकी ज्योति रात भर जलती रहती है।
(ग) जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। (घ) जिसकी ज्योति सुबह-शाम जलती रहती है।

5. कवि ने प्रभु से अपना क्या संबंध बताया है?
(क) तुम हीरा और मैं रस्सी (ख) तुम मोती और मैं धागा
(ग) तुम सीप और मैं मोती (घ) तुम लॉकेट और मैं चेन

6. निम्नलिखित में से ईश्वर और कवि के लिए कौन-सा कथन सही है?
(क) तुम मालिक मैं गुलाम (ख) तुम स्वामी मैं दास
(ग) तुम नाथ मैं सेवक (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

7. ग़रीबनिवाज़ु का अर्थ है -
(क) दीन-सुखियों पर दया करने वाला (ख) धनी भक्तों पर दया करने वाला
(ग) दीन-दुखियों पर दया करने वाला (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

8. "माथै छत्रु" का क्या अर्थ है?
(क) सिर पर मोरपंख होना (ख) मस्तक पर स्वामी होने का मुकुट होना
(ग) माथे पर छाया होना (घ) इनमें से कोई नहीं ।

9. कविता के अनुसार ईश्वर क्या करते हैं?
(क) राजा को भी रंक बना देते हैं। (ख) साधु-संतों को नीची जाति का बना देते हैं।
(ग) नीच को भी ऊँची पदवी प्रदान करते हैं। (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

10. रैदास जी ने दूसरे पद में ईश्वर की क्या विशेषता बताई है?
(क) वह केवल सुखी लोगों पर दया दिखाते हैं। (ख) वह रात को दीपक की ज्योति से प्रकाश देते हैं।
(ग) निम्न जाति के लोगों के लिए महल बनवा देते हैं। (घ) वह किसी से नहीं डरते हैं।

11. कविता में ईश्वर ने निम्नलिखित में से किसका उद्धार नहीं किया?
(क) तुलसीदास (ख) नामदेव (ग) कबीरदास (घ) त्रिलोचन

12. कविता के अंत में रैदास कहते हैं कि
(क) हरि जी से सब कुछ असंभव हो जाता है।
(ख) हरि जी से सब कुछ संभव हो जाता है।
(ग) हरि जी की विशेष कृपा संत सधना पर थी, संत सैनु पर नहीं।
(घ) रैदास से बढ़कर ईश्वर का कोई सच्चा भक्त नहीं।

13. ग़रीबों के सिर पर छत्र कौन रखवा सकता है?
(क) पूजा (ख) राजा (ग) ईश्वर (घ) कवि

14. रैदास ने "ऐसी लाल तुझ बिनु ..... सभै सरै॥"– पद में उस समय की किस समस्या को उठाया है?
(क) विधवा विवाह (ख) बाल विवाह (ग) अशिक्षा (घ) छुआछूत

15. ईश्वर क्या कर सकते हैं?
(क) नीच से नीच व्यक्ति को ऊँचा उठा सकते हैं। (ख) सब पर अपनी कृपा कर सकते हैं।
(ग) रंक के सिर पर भी ताज रख सकते हैं। (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

16. गोविंद का प्रयोग किसके लिए हुआ है?
(क) ईश्वर के लिए (ख) गुरु के लिए (ग) स्वयं कवि के लिए (घ) अन्य कवियों के लिए

17. मिलान कीजिए:
(क)दीपक-चकोर (ख)चंदन-बाती (ग)घन-धागा (घ)मोती-सुहागा (ङ)चाँद-दास (च)सोना-मोर (छ)स्वामी-पानी
(i) (क) बाती (ख) पानी (ग) मोर (घ) धागा (ङ) चकोर (च) सुहागा (छ) दास
(ii) (क) मोर (ख) धागा (ग) बाती (घ) पानी (ङ) दास (च) सुहागा (छ) चकोर
(iii) (क) धागा (ख) बाती (ग) मोर (घ) पानी (ङ) दास (च) सुहागा (छ) चकोर
(iv) (क) दास (ख) सुहागा (ग) चकोर (घ) धागा (ङ) बाती (च) मोर (छ) पानी

18. धागे की क़ीमत कब होती है?

(क) जब उसके साथ मोती हो। (ख) जब उसके साथ सोना हो।

(ग) जब उसके साथ दीपक हो। (घ) जब उसके साथ सुहागा हो।

19. दिन-रात किसकी ज्योति बढ़ती है?

(क) दीपक की (ख) बाती की (ग) ईश्वर की (घ) कवि की

20. रैदास अपने आप को ईश्वर रूपी दीपक का क्या बताते हैं?

(क) बाती (ख) लौ (ग) तेल (घ) बर्तन

21. रैदास चंदन किसे मानते हैं?

(क) स्वयं को (ख) परमात्मा को (ग) चंदन के वृक्ष को (घ) क़ीमती वस्तुओं को

22. कवि रैदास को किसके नाम की रट लग गई है?

(क)अपनी प्रियतमा के नाम की (ख)चंदा के नाम की (ग)परमात्मा के नाम की (घ)मोक्ष प्राप्त करने की

23. **<u>काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न</u>**

निम्नलिखित पद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी।
प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी।
प्रभु जी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।
प्रभु जी, तुम तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा।।

(i) इस पद में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

(क) भक्ति भाव (ख) प्रेम भाव (ग) ईर्ष्या भाव (घ) निंदा भाव

(ii) रैदास के अंग-अंग में क्या समाया हुआ है?

(क) चंदन (ख) जल (ग) प्रेम (घ) ईश्वर

(iii) कवि ईश्वर की ओर आशा भाव से किस प्रकार देखते हैं?

(क) जैसे मोर जंगल की ओर देखता है। (ख) जैसे चकोर चाँद की ओर देखता है।

(ग) जैसे पपीहा बादलों की ओर देखता है। (घ) जैसे किसान वर्षा की ओर देखता है।

(iv) रैदास अपने को क्या मानते हैं?

(क) ईश्वर का सखा (ख) ईश्वर का पुत्र (ग) ईश्वर का सहचर (घ) ईश्वर का दास